भारत सरकार **राज्य सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 2282**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 07 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए
चीन से आयात और तुलनात्मक स्थिति

2282. प्रो. मनोज कुमार झा:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत पाँच वित्त वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान चीन से भारत में व्यापारिक माल/वस्तु आयात का कुल मूल्य कितना रहा है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान भारत के कुल व्यापारिक माल/वस्तु आयात में चीन से किए गए आयात की प्रतिशत हिस्सेदारी कितनी रही है;

(ग) विगत पाँच वित्त वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान भारत के दस सबसे बड़े आयात भागीदार देशों से किए गए आयात के मूल्य का ब्यौरा क्या है और इस क्रम में चीन का स्थान क्या रहा है; और

(घ) विगत पाँच वित्त वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा कितना रहा है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान चीन से भारत के कुल पण्यवस्तु आयात का कुल मूल्य और भारत के कुल पण्यवस्तु आयात में चीन से होने वाले आयात की प्रतिशत हिस्सेदारी का विवरण निम्नवत है:

वित्तीय वर्ष	**चीन से आयात** *(मूल्य बिलियन अमेरिकी डॉलर में)*	**भारत के कुल पण्यवस्तु आयात में चीन का % हिस्सा**
2021-22	94.57	15.43
2022-23	98.51	13.76
2023-24	101.73	15.00
2024-25	113.45	15.73
2025-26	131.63	16.96

(ग) पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान भारत के दस सबसे बड़े आयात भागीदार देशों से आयात का मूल्य और चीन की रैंक निम्नवत है:

वित्तीय वर्ष 2021-22		
रैंक	**देश**	**आयात** *(मूल्य बिलियन अमेरिकी डॉलर में)*
1.	चीन पी आरपी	94.57
2.	संयुक्त अरब अमीरात	44.83
3.	यूएसए	43.31
4.	सऊदी अरब	34.10
5.	इराक	31.93
6.	स्विट्ज़रलैंड	23.39
7.	हांगकांग	19.10
8.	सिंगापुर	18.96
9.	इंडोनेशिया	17.70
10.	कोरिया आरपी	17.48

वित्तीय वर्ष 2022-23		
रैंक	**देश**	**आयात** *(मूल्य बिलियन अमेरिकी डॉलर में)*
1.	चीन पी आरपी	98.51
2.	संयुक्त अरब अमीरात	53.23
3.	यूएसए	50.86
4.	रूस	46.21
5.	सऊदी अरब	42.04
6.	इराक	34.39
7.	इंडोनेशिया	28.82
8.	सिंगापुर	23.60
9.	कोरिया आरपी	21.23
10.	ऑस्ट्रेलिया	19.01

वित्तीय वर्ष 2023-24		
रैंक	**देश**	**आयात** *(मूल्य बिलियन अमेरिकी डॉलर में)*
1.	चीन पी आरपी	101.74
2.	रूस	61.16
3.	संयुक्त अरब अमीरात	48.03
4.	यूएसए	42.20
5.	सऊदी अरब	31.42
6.	इराक	29.96
7.	इंडोनेशिया	23.41
8.	स्विट्ज़रलैंड	21.25
9.	सिंगापुर	21.20
10.	कोरिया आरपी	21.14

वित्तीय वर्ष 2024-25		
रैंक	**देश**	**आयात** *(मूल्य बिलियन अमेरिकी डॉलर में)*
1.	चीन पी आरपी	113.45
2.	रूस	63.81
3.	संयुक्त अरब अमीरात	63.40
4.	यूएसए	45.63
5.	सऊदी अरब	30.12
6.	इराक	28.89
7.	इंडोनेशिया	22.78
8.	स्विट्ज़रलैंड	21.80
9.	सिंगापुर	21.28
10.	कोरिया आरपी	21.06

वित्तीय वर्ष 2025-26		
रैंक	**देश**	**आयात** *(मूल्य बिलियन अमेरिकी डॉलर में)*
1.	चीन पी आरपी	131.63
2.	संयुक्त अरब अमीरात	63.89
3.	रूस	55.37
4.	यूएसए	53.49
5.	सऊदी अरब	30.79
6.	इराक	24.56
7.	हांगकांग	24.33
8.	स्विट्ज़रलैंड	24.28
9.	सिंगापुर	24.24
10.	जापान	21.44

(घ) पिछले पांच वित्तीय वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान भारत और चीन के बीच व्यापार घाटा निम्नवत है:

वित्तीय वर्ष	**व्यापार घाटा** *(मूल्य बिलियन अमेरिकी डॉलर में)*
2021-22	73.31
2022-23	83.20
2023-24	85.08
2024-25	99.20
2025-26	112.16

भारत की आयात निर्भरता देश के तीव्र आर्थिक विकास, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, बढ़ते विनिर्माण आधार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं(जीवीसी) के साथ गहरे जुड़ाव से निर्मित हो रही है। इन आयातों से लिथियम, कोबाल्ट, निकल, ग्रेफाइट, दुर्लभ पृथ्वी तत्व और तांबे आदि जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्रियां प्रदान करते हैं, जो स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर्स के लिए आवश्यक इनपुट हैं। इसके अलावा, कार्यनीतिक क्षेत्रों जैसे कि ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक्स (विशेष रूप से सेमीकंडक्टर्स), और उन्नत विनिर्माण में घरेलू उत्पादन का समर्थन करने के साथ-साथ अवसंरचना के विकास, निवेश और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के अलावा घरेलू मांग को पूरा करने के लिए मध्यवर्ती वस्तुओं, पूंजीगत उपकरणों और उन्नत प्रौद्योगिकियों का आयात किया जाता है।

साथ ही, सरकार कई पहलों जैसे कि मेक इन इंडिया, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं और प्रमुख कार्यनीतिक क्षेत्रों में आयात निर्भरता को कम करने के लिए लक्षित उपायों के माध्यम से घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को सक्रिय रूप से मजबूत कर रही है, संसाधन विकास कर रही है और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ा रही है।

******